# सूर्या फाउण्डेशन
# आदर्श गाँव योजना

मासिक ई-पत्रिका-अंक 1 जनवरी-2020

## चेयरमैन की कलम से...

पद्मश्री
श्री जयप्रकाश

**मेरा गाँव - मेरा बड़ा परिवार**

> गाँव के विकास से भारत के विकास का मॉडल-यही उद्देश्य हमारे सामने है। हमारा विश्वास है - हम होंगे कामयाब।

**भारत गाँवों का देश है।** आज भी लगभग तीन चौथाई जनसंख्या गाँवों में रहती है। अर्थव्यवस्था के केन्द्र गाँव ही है। अनाज आदि की निर्भरता गाँवों पर ही है। गाँवों के विकास से मतलब गाँवों को शहरों में तब्दील करना नहीं है बल्कि गाँवों में सुविधाएँ बढ़ें। ग्रामवासियों के लिए कमाई, रोजगार के साधन गाँव में ही उपलब्ध हो। वहाँ हर हाथ के लिए काम रहे व हर काम के लिए व्यक्ति उपलब्ध हो। गाँव स्वावलंबी बने। हम चाहते हैं, गाँव संस्कृति, आस्था और लोक-कलाओं के प्रमुख केन्द्र बने रहे।

इन्हीं सब बिंदुओं को ध्यान में रखकर वर्ष 1998 में सूर्या फाउण्डेशन साधना स्थली के पास झिंझोली गाँव से आदर्श गाँव योजना के लिए शिक्षा, सामाजिक संस्कार, स्वास्थ्य, स्वच्छता, स्वावलंबन एवं समरसता के बिंदुओं के साथ काम प्रारम्भ किया। वहाँ आए अच्छे बदलावों को देखते हुए छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, ओडिशा, कर्नाटक, महाराष्ट्र एवं पूर्वोत्तर राज्यों में सूर्या संस्कार केन्द्रों के जरिये इस योजना की शुरुआत हुई। 18 राज्यों में करीब 1500 गाँव इस योजना से लाभान्वित हुए। काम गाँव के लोगों के द्वारा ही किया गया। हम केवल साथ खड़े रहे। सुदूर नागालैण्ड से लेकर कच्छ तक और कश्मीर से तमिलनाडु तक इस योजना के माध्यम से कई अच्छे बदलाव गाँव में आये।

गाँव में बालकों की पढ़ाई में रूचि जगी। उनका पढ़ाई का स्तर सुधरा और वे संस्कारित हुए। लगभग 110 गाँवों में स्व-सहायता समूह (बचत गट) बने एवं 22 सिलाई केन्द्र संचालित है। विशेषकर महिलाओं में आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ी। सूर्या यूथ क्लब के माध्यम से युवा जुड़े और फिर अपने गाँव के विकास के लिए जुटे भी। योग और प्राकृतिक चिकित्सा के द्वारा गाँवों में सस्ती इलाज पद्धति पहुँचाने में सूर्या फाउण्डेशन की टीम कार्यरत हैं। गाँव के लोग खुश रहें। स्वस्थ रहें। मिल-जुलकर रहें। एक-दूसरे के साथ हर सुख-दुख में खड़े रहें, यही हमारा प्रयास है।

-जयप्रकाश

# खेलकूद प्रतियोगिता 2019-2020

भरतराज
( इंचार्ज:खेलकूद प्रतियोगिता )

सूर्या फाउण्डेशन एक सामाजिक संस्था है, जो विभिन्न विषयों पर चिंतन, मनन और शोध के लिए समर्पित है। संस्था अपने अनेक आयामों जैसे-थिंक-टैंक, स्कूल भारती ऑर्गेनाइजेशन, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग, आदर्श गाँव योजना आदि के द्वारा पिछले 25 वर्षों से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रही है। सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत इस वर्ष सूर्या यूथ क्लब के युवाओं द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता प्राकृतिक चिकित्सा दिवस (18 नवंबर) से युवा दिवस (12 जनवरी) तक आयोजित की गयी। इसमें 18 राज्यों के **1290** गाँव के **57736** युवाओं ने भाग लिया। **215** स्थानों पर समापन कार्यक्रम किये गये। इसमें **12470** खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सूर्या फाउण्डेशन इस तरह युवाओं के जनजागरण का कार्यक्रम पूरे भारत में कर रहा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं, क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों, संतों का मार्गदर्शन युवा पीढ़ी को मिलता है। जहाँ एक ओर भारत का युवा गलत आदतों एवं सामाजिक कार्यों से दूरी बना रहा है, वहीं सूर्या फाउण्डेशन सूर्या यूथ क्लब के द्वारा युवाओं को गाँव में सामाजिक गतिविधियों, परिवार व समाज के विभिन्न पहलुओं से जोड़ने का काम कर रहा है।

| | |
|---|---|
| 57736 | Players |
| 1290 | Village |
| 215 | Small Program |
| 22 | Big Program |

खेलकूद प्रतियोगिता समापन कार्यक्रम, फिरोजपुर-हरियाणा

# खेलकूद प्रतियोगिताओं की कुछ झलकियाँ

मालनपुर - मध्य प्रदेश

सिलीगुड़ी - दार्जिलिंग

मेरठ

ओड़िशा

खेलो खेल - बनो निरोग

# आदर्श गाँव रिफ्रेशर कैम्प
## सूर्या साधना स्थली झिंझौली - दिल्ली

### सामाजिक कार्यकर्ता एवं कृषि वैज्ञानिक

| | | |
|---|---|---|
| ❁ श्री सुनील जी मानसिंहका | - | सदस्य राष्ट्रीय कामधेनु आयोग ( नागपुर ) |
| ❁ श्री ललित अग्रवाल जी | - | गौ सेवा प्रान्त प्रमुख ( पश्चिम बंगाल ) |
| ❁ श्री भानीराम मंगला जी | - | चेयरमैन- गौसेवा आयोग ( हरियाणा ) |
| ❁ डॉ. जे.पी.एस. डबास जी | - | भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) |
| ❁ डॉ. डी.एस. यादव जी | - | राष्ट्रीय जैविक खेती केन्द्र (NCOF) |
| ❁ डॉ. एस.एस. लठवाल जी | - | राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (NDRI) |

### मेरा गाँव - आदर्श गाँव : अनुभव

ओम प्रकाश सैनी
पूर्व प्रधान-बसई

बसई गाँव को आदर्श गाँव हेतु चयनित किया गया है। गाँव को आदर्श बनाने के लिये सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संस्कार केन्द्र, सूर्या यूथ क्लब, स्वयं सहायता समूह, सिलाई केंद्र आदि प्रकल्पों के माध्यम से जन-जागरण किये जा रहे हैं। स्वच्छता अभियान, नशा-मुक्ति रैली, वृक्षारोपण आदि किया जाता है। मैंने साधना स्थली झिंझोली में 5 दिवसीय सेवाभावी प्रशिक्षण लिया। मूण्डला जैसे अनेक गाँव को आदर्श गाँव की श्रृंखला में आगे बढ़ाया है। आज गाँव के मंदिर की समिति के सहयोग से आज मैं धर्मशाला का निर्माण प्रारंभ कर सका हूँ, जिससे गाँव में होने वाले शादियाँ, सामूहिक कार्यक्रम हेतु एक सुविधाजनक स्थान तय हो पाएगा। वहीं मैंने अपना जीवन समाज के लिए लगाया है। गाँव में अनेक धार्मिक, सांस्कृतिक और संस्कारित विकास हेतु कार्य किया जा रहा है जिसमें मेरा भी समय-समय पर सहयोग एवं सहभागिता रहती है। हम जल्द ही बसई गाँव को पूरे भारतवर्ष में एक आदर्श गाँव स्थापित करने में कामयाब होंगे। जिस प्रकार पुंसरी एवं पाटोदा गाँव में समाज एवं सभी वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक लाभ हेतु सार्वजनिक कार्य किए गए हैं इस प्रकार के कार्य हमारे गाँव में भी संभव हो ऐसा करने का प्रयास करेंगे।

# हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण शिविर गाँव- फफूंडा - मेरठ

**अजीत**
सेवा प्रमुख: फफूंडा गाँव

मैं अजीत आदर्श गाँव फफूंडा, मेरठ में पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में कार्यरत हूँ। सिलाई केंद्र एवं स्वयं सहायता समूह की बहनों के साथ हस्तशिल्प कला के प्रशिक्षण के बारे में चर्चा हुई। उसके बाद 5 दिवसीय हस्तशिल्प प्रशिक्षण शिविर के लिये 27 बहनों का चयन किया। हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के लिये 15 से 19 जनवरी 2020 तक तय करके प्रशिक्षण शुरु किया गया। प्रशिक्षण के तीसरे दिन यह देखने को मिला है कि सभी बहने प्रतिदिन समय पर आकर पूरा प्रशिक्षण लेती हैं। 3 दिन के प्रशिक्षण के बाद बहनों ने सॉफ्ट टॉयज जैसे- टेडी खरगोश, कुत्ता, बिल्ली ट्वॉय वाले बैग आदि पोशाक बनाना सीख लिया है। इन सब को देखकर गाँव की बाकी बहनों ने भी प्रशिक्षण में भाग लेने के लिये बोला। प्रशिक्षण के माध्यम से एक बेहतर अनुभव यह रहा कि प्रशिक्षण में 4 मुस्लिम बहनों ने पोशाक बनाने में काफी दिलचस्पी दिखाई और उन्होंने सबसे कम समय में पोशाक तैयार की। इससे आपसी भाई-चारा बढ़ा है।

हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण शिविर में हम सभी ने बहुत कुछ सीखा, जैसे- टेडी, गुलदस्ता, रैट, बैग आदि। इस ट्रेनिंग में पूनम दीदी ने 5 दिनों में इतना सिखाया जो कि हमारे लिए आने वाले दिनों बहुत अच्छा साबित हो सकता है। हम सभी बहनें इन सभी चीजों को बनाकर स्वरोजगार शुरु कर सकते हैं। हम सभी चाहते हैं कि ऐसा शिविर हमारे गाँव में समय-समय पर होते रहें जिससे और भी बहनें सीखें। इस शिविर की समय सीमा को अगर और बढ़ाया जाए तो और भी बहुत कुछ नया सीखने को मिलेगा। इसके लिये सूर्या फाउण्डेशन को बहुत-बहुत धन्यवाद।

-**स्वाती सिंह** *(शिविरार्थी)*

हस्तशिल्प
कला प्रशिक्षण शिविर

# ग्रामायण सेवा प्रदर्शनी (नागपुर)

## मेरा गाँव - मेरा तीर्थ

शिव रजवाड़े
( क्षेत्र प्रमुख-मध्य प्रदेश )

भारत के विकास में ग्रामीण उत्पादन का बड़ा महत्व है, लेकिन अपने गाँव में कुटीर उद्योग, हथकरघा, लघु उद्योग आदि के माध्यम से गाँव की महिलाओं द्वारा बनी वस्तुओं को बाजार में बेचने, गाँव एवं शहर के हर व्यक्ति तक पहुँचाने के लिये एक प्लेटफार्म की आवयश्यकता है। इसी विषय को ध्यान में रखकर स्वयंसेवी संगठन के माध्यम से पूरे देश में इसका प्रचार प्रसार करने के लिये नागपुर में चार दिवसीय ग्रामायण सेवा प्रदर्शनी में का आयोजन किया गया। इसमें मुझे रहने का अवसर मिला। देश भर के 18 समाजिक संस्थाओं, 39 स्वयं सहायता समूहों द्वारा 27 लघु उद्योगों के स्टाल लगाये गये थे। सूर्या फाउंडेशन संस्था का भी स्टॉल लगाया गया था। सबसे ज्यादा युवाओं ने संस्था में जुड़ने के लिये इच्छा जाहिर की। ग्राम विकास, सूर्या यूथ क्लब, व्यक्तित्व विकास शिविर आदि के बारे मे हमारी टीम ने सभी को जानकारी देकर संतुष्ट किया। संघ के अनुसांगिक संगठन के अधिकारियों का भी सूर्या फाउण्डेशन के स्टॉल में आना हुआ, उन्हें भी हमने पूरी जानकारी दी।

सागर मुंदाणे- महाराष्ट्र
*(ज्वाईंट फील्ड कमांडर)*

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रदर्शनी ग्रामायण सेवा नागपुर, महाराष्ट्र में लगाने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संगठन मंत्री जी से मिलना हुआ उन्हें सूर्या फाउण्डेशन के बारे में बताया गया, उन्होनें सूर्या फाउण्डेशन के कार्यों की प्रशंसा की। प्रदर्शनी को देखने के लिए लगभग 250 लोग आये, जिनमें से 150 लोगों ने सूर्या फाउण्डेशन के सेवा कार्यों को समझा। कार्यक्रम के दौरान सभी लागों ने सूर्या फाउण्डेशन के इन सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा नागपुर-महाराष्ट्र में लगाई प्रदर्शनी

# युवा दिवस–स्वामी विवेकानन्द जयंती

हर वर्ष 12 जनवरी को भारत में पूरे उत्साह और खुशी के साथ राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन आधुनिक भारत के निर्माता स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस को याद करने के लिये मनाया जाता है। सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत देश भर में स्वामी विवेकानन्द जयंती मनाई गयी एवं स्वामी जी के विचारों को युवाओं तक भाषण, नाटक, रूप सज्जा जैसे अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से पहुँचाया गया।



- सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा संचालित 18 राज्यों में 300 गाँवों में स्वामी विवेकानन्द जयंती मनाई गयी।
- विवेकानन्द जयंती मुख्य रूप से सूर्या यूथ क्लब एवं सूर्या संस्कार केन्द्रों पर मनाई गयी।
- कार्यक्रम में 7000 भैया, बहनों ने लोगों ने भाग लिया।
- कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग प्रबुद्धजनों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।
- कई स्थानों पर विवेकानन्द जयंती के उपलक्ष्य में स्पोर्ट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।
- उपस्थित सभी सहभागियों को प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानन्द के बारे मे बताया गया।

## खोरीबारी: विवेकानंद ... पर बच्चों ने निकाली प्र...

खोरीबारी. स्वामी विवेकानंद की जयंती पर रविवार को पानीटंकी आदर्श गांव में बाल संस्कार केंद्र के बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया. सर्वप्रथम बच्चों एवं शिक्षकों द्वारा प्रभात फेरी का आयोजन किया गया. प्रभात फेरी गांव के विभिन्न हिस्सों में निकाली गयी. इस कार्यक्रम में स्थानीय लोग और संस्कार केंद्र के सदस्य भी शामिल हुए. इसके साथ भारत यूथ क्लब के कार्यकर्ता भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद सूर्या फाउंडेशन के फांसीदेवा प्रमुख प्रशांत चक्रवर्ती कहा



## सूर्य संस्कार केन्द्र भोडा होशनाक में मनाई स्वामी विवेकानंद जयंती

फतेहाबाद: सूर्या फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा संचालित आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में पूरे देश में मनाई गई। इसी क्रम में सूर्य संस्कार केंद्र भोडा होशनाक में भी विवेकानंद जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शत्रुघन लाल कश्यप सह प्रांत प्रमुख, शिक्षक प्रदीप भोड़ा और आनंद सेवाभावी द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी जी के चित्र पर धूप जलाकर और पुष्प समर्पित कर किया गया। इस मौके पर देश भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि शत्रुघन लाल कश्यप ने स्वामी विवेकानंद जी की जीवनी बारे बताया। शिक्षक प्रदीप ने स्वामी जी के साहस से जुड़ी घटना बंदरों के झुंड की पीछा करने की घटना को बताया और बच्चों को कहा कि हमें कठिन और मुसीबत के समय में साहस से काम करना चाहिए।

# रक्तदान शिविर (जयपुर)

## 12 जनवरी-2020 (निमेड़ा)

देव नारायण
(फील्ड सेवा प्रमुख-राजस्थान)

सूर्या फाउण्डेशन में हो रहे सामाजिक कार्य जो आज समाज के लिये आवश्यक बन गये हैं। अक्सर देखा जाता है कि लोग धन, समय और अन्य चीजों का सहयोग आसानी से करते रहते हैं लेकिन रक्तदान बहुत कम लोग ही करते हैं क्योंकि लोगों के मन में धारणा बनी हुई है कि रक्तदान करने से शरीर में कमजोरी आती है लेकिन यह केवल एक भ्रम है। इसे दूर किया सूर्या फाउण्डेशन के सेवाभावी कार्यकर्ता श्री लालाराम जी (56 वर्ष) द्वारा रक्तदान शिविर लगाकर। इसमें मुझ धन्यता का अनुभव मिला। रक्तदान शिविर में श्री लाला राम जी ने सबसे पहले रक्तदान किया। उनसे प्रेरणा लेकर 22 गाँव के 79 लोगों ने रक्तदान किया। सेवाभावी श्री ओम प्रकाश जी रक्तदान के फायदे बताते हुए कहा कि रक्तदान बहुत जरूरी है ये जन कल्याण की धुरी है। रक्तदान करके बहुत ही सुखद अनुभव हो रहा है।

**22** गाँव की सहभागिता

**79** लोगों द्वारा रक्तदान

शांति ब्लड बैंक में ब्लड जमा

मुख्य चिकित्सक डॉ. शैलेन्द्र

# सुभाषचन्द्र बोस जयंती

"संघर्ष ने मुझे मनुष्य बनाया,
मुझमें आत्मविश्वास उत्पन्न हुआ
जो पहले मुझमें नहीं था।"

- सुभाष चन्द्र बोस

23 जनवरी 2020 को सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा संचालित सूर्या यूथ क्लब और सूर्या संस्कार केन्द्रों पर देश के 19 राज्यों में 200 गाँवों पर सुभाष चन्द्र बोस जयंती मनाई गयी। कार्यक्रम में 7000 लोगों ने भाग लिया। विभिन्न स्थानों पर अलग - अलग अधिकारियों का मार्गदर्शन मिला। सभी स्थानों कार्यक्रम का शुभारंभ सुभाष चन्द्र बोस जी के चित्र के सामने दीप जलकर किया गया। उपस्थित विद्यार्थियों को सुभाष चन्द्र बोस जी के व्यक्तित्व एवं जीवन के बारे में बताया गया। संस्कार केन्द्र के भैया एवं बहनों द्वारा राष्ट्रीय गीत, नाटक, कहानी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये।

## सूर्या फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती मनाई गयी

**सिद्धार्थ राव, बहादुरगढ़।** सूर्या फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा संचालित आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत आज पूरे देश में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती मनाई गयी। इसी क्रम में आज बहादुरगढ़ के आसपास संचालित संस्कार केंद्रों और यूथ क्लब के सदस्यों द्वारा सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। शत्रुहन लाल कश्यप सह प्रांत प्रमुख ने बताया कि आज सांखोल सैनिक नगर, नयागांव, प्रकाशनगर, जखोदा और रोहद में सुभाष चंद्र बोस जयंती मनाई गई। सांखोल में कार्यक्रम की शुरूआत सेवाभावी अशोक जी और सहायक शिक्षिका अंजू शर्मा तथा शत्रुहन लाल कश्यप ने भारत माता और सुभाष चन्द्र बोस जी की तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। कश्यप ने बताया कि सुभाष चन्द्र बोस जी का जन्म 23 जनवरी 1897 को ओडिशा के कटक नामक स्थान पर हुआ। आप बचपन से ही मेधावी छात्र रहे। उन्होंने आईएएस की परीक्षा प्रथम डिवीजन से पास हुआ। परन्तु बचपन से ही अपनी माता से स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी जी की देश भक्ति कहानी सुनने के कारण उनमें बचपन से ही देश भक्ति थी और सुभाष जी स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में लग गए। कई बार जेल भी गए और कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे बाद में वे आजाद हिंद फौज का निर्माण कर देश की आजादी के लिए लड़ते रहे। उन्होंने नारा दिया "तुम मुझे खून दो मैं तुझे आजादी दूंगा" अर्थात देश के लिए अपना जीवन समर्पित करने का आह्वान किया। माना जाता है कि 18अगस्त 1945 को एक विमान दुर्घटना में आपका स्वर्गवास हो गया। आपका पूरा जीवन देश के लिए समर्पित रहा और देश की आजादी में महत्व पूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर विनोद शर्मा, अरुण राजपूत, निखिल, संजय, जतिन, रेखा आदि उपस्थित रहे।

# गणतंत्र दिवस

## 26 जनवरी

- सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा चलाये जा रहे सूर्या संस्कार केन्द्र एवं सूर्या यूथ क्लब केन्द्रों पर 26 जनवरी 2020 को 71वां गणतंत्र दिवस मनाया गया।
- यह कार्यक्रम 350 गाँव में दिवस मनाया गया। जिसमें 25000 लोगों ने भाग लिया।
- कार्यक्रम में गाँव के ही सेवाभावी, युवा, स्वयं सहायता समूह की महिलायें, ग्राम समिति आदि के सदस्यों का सहयोग रहा।
- बच्चों द्वारा गीत, डांस, नाटक आदि कार्यक्रम किये गये, भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

## राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता ।
पंजाब सिन्धु गुजरात मराठा,
द्राविड़ उत्कल बंग ।
विन्ध्य हिमाचल यमुना गंगा,
उच्छल जलधि तरंग ।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा ।
जन-गण मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता ।
जय हे ! जय हे ! जय हे !
जय ! जय ! जय ! जय हे !

26 जनवरी 1950 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के बाद तिरंगा फहराकर भारतीय गणतंत्र के ऐतिहासिक जन्म की घोषणा की थी। अंग्रेजों के शासनकाल से छुटकारा पाने के 894 दिन बाद हमारा देश स्वतंत्र राज्य बना। तब से आज तक हर वर्ष समूचे राष्ट्र में गणतंत्र दिवस गर्व और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने भारत के प्रथम राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। हालांकि भारत 15 अगस्त 1947 को एक स्वतंत्र राष्ट्र बन चुका था, लेकिन इस स्वतंत्रता की सच्ची भावना को प्रकट किया 26 जनवरी 1950 को। इर्विन स्टेडियम जाकर तिरंगा फहराया गया, इस तरह गणतंत्र के रूप में भारतीय संविधान प्रभावी हुआ।

बहादुरगढ़ सूर्या प्लांट में गणतंत्र दिवस मनाया गया।

# प्रशिक्षण का महत्व

गौतम नायक
( प्रशिक्षण प्रमुख )

> कार्यकर्ता निर्माण के लिये प्रशिक्षण अनिवार्य है।

- जिस प्रकार बर्तन की चमक उसकी प्रतिदिन सफाई व रगड़ाई के कारण होती है उसी प्रकार प्रशिक्षण से व्यक्ति के आंतरिक और बाह्य गुणों का विकास होता है।
- ट्रेनिंग हर उम्र में, हर स्तर पर जरूरी है।
- भगवान श्रीराम की गुरुकुल में ट्रेनिंग हुई तभी महान बने।
- सूर्या फाउण्डेशन की ट्रेनिंग से लोगों ने अनेकों बड़े-बड़े कार्य किये।
- सीखने की उम्र नहीं होती - सुकरात ने अपने मृत्यु से पहले अंतिम रात को भी बांसुरी बजाना सीखा।
- फौज मे कहा जाता है कि ट्रेनिंग में जितना पसीना बहाओगे, युद्ध में उतना कम खून बहेगा।
- इजराइल में हर व्यक्ति की कुछ वर्ष तक फौजी ट्रेनिंग अनिवार्य है।
- जब तक व्यक्ति सीखता है तब तक निरंतर उसका विकास होता रहता है।

## आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत 2019 में हुए शिविरों का विवरण

| SN | Training Name | Camp Count | Day | Participate Count |
|---|---|---|---|---|
| 1 | BTC (Basic Training Camp) | 2 | 15 | 170 |
| 2 | TRC (Teacher Refresher Camp) | 4 | 7 | 288 |
| 3 | TPDC (Teacher Personality Development Camp) | 2 | 20 | 275 |
| 4 | Sewabhavi Camp | 2 | 5 | 201 |
| 5 | गो आधारित ( जैविक खेती ) शिविर | 2 | 1 | 110 |
| 6 | Family Camp | 1 | 4 | 80 |
| 7 | चयनित आदर्श गाँव (Refresher Camp) | 1 | 7 | 86 |
| | Total | 14 | | 1210 |

# मिलकर रहिए – बाँटकर खाइए

एक शिष्य था। उसने अपने गुरु से पूछा- महाराज! संसार में रहने का क्या ढंग है? गुरु ने कहा- अच्छा प्रश्न किया है तूने। एक-दो दिन में उत्तर देंगे। दूसरे दिन गुरुजी के पास एक व्यक्ति कुछ फल और मिठाईयाँ लेकर आया। सब वस्तुएँ महात्मा जी के सामने रखकर उन्हें प्रणाम किया और उनके पास बैठ गया। महात्माजी ने उस व्यक्ति से बात भी नहीं की। पीछे घूमकर सब के सब फल खा लिए। मिठाई भी खा ली। वह व्यक्ति सोचता रहा - यह विचित्र साधु है। वस्तुएँ तो सब खा गया, परंतु मैं जो कुछ लाया हूँ, मेरी ओर देखता भी नहीं। अंत में क्रुद्ध होकर उठा, चला गया। उसके जाने के पश्चात् महात्मा ने चेले से पूछा क्यों भाई, क्या कहता था यह व्यक्ति।

शिष्य ने कहा- महाराज वह तो बहुत क्रुद्ध था। कहता था- मेरी सब वस्तुएँ तो खा ली, मुझसे बोले भी नहीं।

महात्मा जी बोले- तो सुन संसार में रहने का यह ढंग नहीं। कोई दूसरा ढंग सोचना चाहिए। थोड़ी देर पश्चात् एक दूसरा व्यक्ति आया। वह भी फल और मिठाइयाँ ले आया। फल और मिठाइयों को साधु के सामने रखकर बैठ गया। साधु ने फल और मिठाइयों को उठाया, साथ वाली गली में फेंक दिया और उस व्यक्ति से बड़े प्यार और सम्मान के साथ बातें करने लगा- जी हाँ क्या हाल हैं? परिवार तो अच्छा है? कारोबार तो अच्छा है? बच्चे ठीक हैं? पढ़ते हैं न? बहुत अच्छा करते हो, उन्हें खूब पढ़ाओ। शरीर अच्छा हो, चित्त प्रसन्न हो और प्रभु भजन में लगे तो मनुष्य को क्या चाहिए ही क्या?

इस प्रकार की मीठी मीठी बातें करता रहा और वह व्यक्ति मन ही मन कुढ़ता रहा। यह विचित्र साधु है- मुझसे तो मीठी मीठी बातें करता है। मेरी वस्तुओं का अपमान कर दिया, इस प्रकार फेंक दिया जैसे उसमें विश पड़ा हो। वह भी चला गया तो महात्मा जी ने चेले से पूछा- क्यों भाई यह तो प्रसन्न हो गया? शिष्य ने कहा- नहीं महाराज यह तो पहले से भी ज्यादा गुस्सा था। कहता था- मेरी वस्तुओं का अपमान कर दिया। महात्मा बोले तो सुन भाई! संसार में रहने का यह ढंग भी ठीक नहीं है। अब कोई और विधि सोचनी होगी।

तभी एक सज्जन वहाँ आए। वह भी फल और मिठाई लाए साधु के सक्षम रख कर बैठ गए। साधु ने बहुत प्यार से उसके साथ बात की। उन वस्तुओं को आस-पास बैठे लोगों में बाँटा। कुछ मिठाई उस व्यक्ति को भी दी, कुछ स्वयं भी खाई। उसके घर बार और परिवार की बातें करते रहे। उसे सुंदर कथाएँ सुनाते रहे। जब वह भी गया तो महात्मा ने पूछा- क्यों भाई! यह व्यक्ति क्या कहता था। शिष्य ने कहा- यह तो बहुत प्रसन्न था महाराज। आपकी बहुत प्रशंसा करता था। कहता था- ऐसा साधु से मिलकर चित्त प्रसन्न हो गया। महात्माजी बोले- तो सुन बेटे! संसार में रहने का ढंग यही है। संसार में रहने का ढंग यह है कि प्रभु ने जो दिया है, उसे बांटकर खा, त्याग भाव से भोग और इसके साथ ही भगवान से प्यार भी कर, उससे बातें कर। भजन कर और उसका ध्यान कर।

**चित्र एक कहानी दर्शाते हैं सोचो कहानी से क्या सीख मिलती है?**

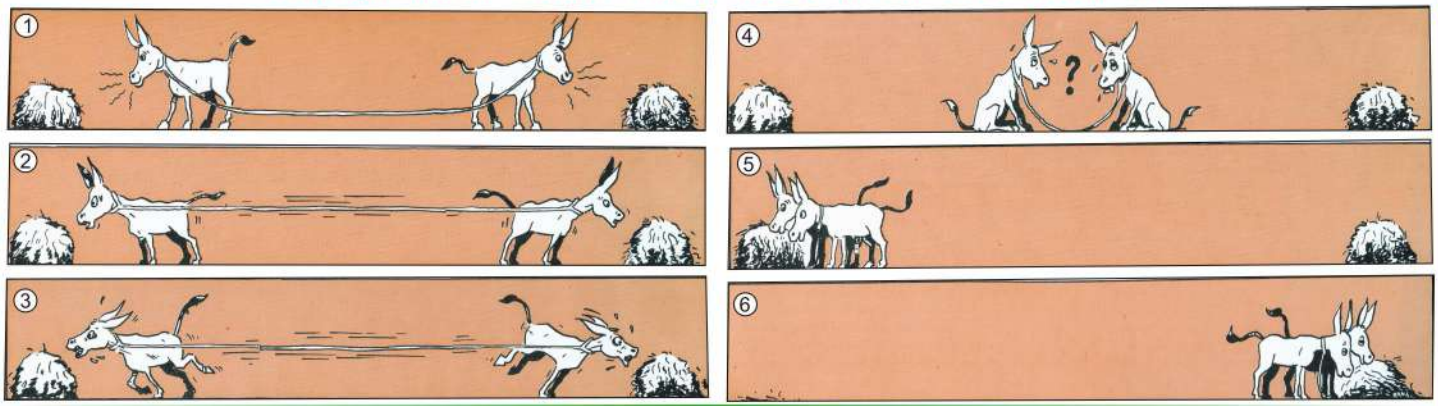


Social Media
suryafoundation.org
suryafoundation1
suryafnd
suryafnd@gmail.com
surya_foundation
suryafoundation